University in News on 09 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 4

मौसम विज्ञान से लेकर प्राकृतिक आपदाओं के आकलन में बिग डेटा की अहम भूमिका

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि के इंजीनियरिंग संकाय में बिग डेटा विषय पर ऑनलाइन सेमिनार

लखनऊ। वास्तविक समय की समस्याएं सुलझाने में बिग डेटा अहम भूमिका निभा रहा है। मौसम विज्ञान हो या ग्लोबल वार्मिंग का अध्ययन या फिर प्राकृतिक आपदाओं का आकलन, ये सभी काम इसके माध्यम से संभव होते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में ऑनलाइन सेमिनार में विशेषज्ञों ने ये बातें कहीं। संकाय में बुधवार को ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तहत एवोलूशन ऑफ बिग डेटा विषय पर वीडियो कांफ्रेंसिंग से सेमिनार का आयोजन हुआ।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर कुशाग्र मित्तल ने बताया कि बिग डाटा की मदद से अनस्ट्रक्चर्ड डाटा इमेज, टेक्स्ट और वीडियो का मिश्रण संग्रहित किया जा सकता है। बिग डेटा की यूनिट पेटाबाइट, एक्जाबाइट और जेटा बाइट होती है। फेसबुक पर प्रतिदिन चार पेटाबाइट डाटा जनरेट होता है, जिसे बिग डेटा द्वारा संग्रहीत किया जा सकता है। मित्तल ने बताया की कोविड-19 से निदान को बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जा सकता है। रेडियोलॉजी परीक्षण में किट की कमी और टेस्ट परिणाम देरी से आने से वैज्ञानिक, इंजीनियर बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर कोविड-19 से संक्रमित रोगियों के एक्स-रे और सीटी स्कैन से प्राप्त फेफड़ों में हो रहे बदलाव का विश्लेषण कर रोगियों में समानताओं को ढूंढकर मॉडल तैयार कर रहे हैं। यह बता पाएगा कि रोगी कोरोना से संक्रमित है या नहीं। अधिक सटीक परिणाम खोजने के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक और इंजीनियर इस पर काम कर रहे हैं। वे सफल होते हैं तो परीक्षण बहुत तेज और सस्ते होंगे। प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज हिमांशु पांडेय ने कहा कि बिग डेटा का उपयोग शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्र में अनावश्यक डायग्नोसिस को हटाकर उपचार की लागत कम करने में और प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम योग्य बीमारियों का पता लगाकर उनसे बचने में हो सकता है। साक्ष्य आधारित दवा प्रदान करने में पहनने योग्य उपकरणों में लगे सेंसर से रोगी के स्वास्थ्य रिकॉर्ड की निगरानी कर समय-समय पर समीक्षा कर स्वास्थ्य जानकारी देने में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। परिवहन क्षेत्र में बिग डेटा का उपयोग प्रतीक्षा समय को कम करने, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, दुर्घटना बाहुल्य संभावित क्षेत्रों का विश्लेषण करने में किया जा सकता है।

TOI Page 3

LU e-content a great hit

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Students of affiliated colleges are benefiting from the e-content made available on the Lucknow University website and online classes taken by varsity teachers through video-conferencing or live streaming.

Lectures uploaded on YouTube channels of various departments are also getting viewership from students of the associated colleges

"Recently, when I got to know from a friend at LU that any student can attend zoology lecture of Prof Serajuddin Ali, I also connected to his lecture online," said a Shia PG student Shirin. Later, more students of Shia College joined the online lectures. Students of Isabella Thoburn College are attending online lectures of head of the biochemistry department Prof Sudhir Mehrotra. "I make sure that I also record my lecture and then I send it to university and IT college students via mail so that they can revise or go through the lecture again," said Prof Mehrotra.